हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

NAAC Accreditation Grade - 'B'

(हिन्दी)

हिन्दी विषय का* Sem/CBCS/Grading Pattern *पर आधारित पाठ्यक्रम

M.Phil (Semester - I & II)

(जून - २०१२ से कार्यान्वित)

दिनांक : / /२०१२ (पृष्ठ संख्या - १ से ८ तक)

New Structure For M. Phil Syllabus
C.W.E.F. June - 2012

SEMESTER - I

Course No.	Name of Course	Theory Exam	Internal Practical	Total Marks	Credit
Paper-I	Research Methodology	70	30	100	4
Paper-II	Core Paper-I	70	30	100	4
Paper-III	Optional/External Paper-I	70	30	100	4

SEMESTER - II

Course No.	Name of Course	Theory Exam	Internal Practical	Total Marks	Credit
Paper-I	Theory Paper	70	30	100	4
-	Dessertation	150	50	200	8
		Total Credit		**300**	**12**
		Grand Total		**600**	**24**

UGC Course in Hindi for Choice Based Credit System

M.Phil Semester - I & II

(शैक्षणिक वर्ष : जून - २०१२ से कार्यान्वित)

: एम. फिल (हिन्दी) प्रथम सेमेस्टर :

प्रश्नपत्र	विषय
१	संशोधन पद्धति
२	साहित्यिक वाद
३	आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास, कहानी)

: एम. फिल (हिन्दी) द्वितीय सेमेस्टर :

प्रश्नपत्र	विषय
१	नारी विमर्श एवं दलित विमर्श
-	लघु शोध प्रबन्ध (Desertation)

UGC Course in Hindi for Choice Based Credit System

M.Phil Semester - I

Sub : Hindi

[Total Credit-4] [Total Marks - 70]

संशोधन पद्धति

प्रश्नपत्र : १

⇨ निम्नांकित शीर्षक के आधार पर विस्तृत अध्यापन कार्य किया जाएगा।

इकाई-१ :

१. शोध-विषय का चुनाव स्वरूप और उद्देश्य

२. शोधप्रबन्ध का लेखन

इकाई-२ :

३. रूपरेखा - शोधप्रबन्ध प्रस्तुतीकरण

४. शोध की परिभाषा एवं परिव्याप्ती

इकाई-३ :

५. शोधक एवं निर्देशक के गुण

६. अनुसंधान और आलोचना का पारस्परिक सम्बन्ध

इकाई-४ :

७. अनुसंधान और चिन्तन

८. हिन्दी अनुसंधान साहित्य का इतिहास एवं उपलब्धियाँ

सन्दर्भ ग्रंथ :

(१) अनुसंधान सर्जन एवं प्रक्रिया - डॉ. अर्जुन के. तड़वी।

(२) शोध प्रविधि - डॉ. विनयमोहन शर्मा।

(३) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ. मधुखराटे, डॉ. देवरे।

(४) अनुसंधान विवेचन - डॉ. उदयभानुसिंह।

(५) अनुसंधान की प्रक्रिया - डॉ. सावित्रीसिन्हा तथा डॉ. विजयेन्द्र स्नातक।

(६) अनुसंधान परिचय - पारसनाथ राय तथा चाँद भट्टनागर।

अंक विभाजन

⇨ प्रश्न : १,२,३,४ (चारों प्रश्न) आन्तरिक विकल्पवाले प्रश्न होंगे। चारों प्रश्न १४ × ४ = ५६ अंक के होंगे।

⇨ प्रश्न - ५ टिप्पणीवाला प्रश्न होगा। आन्तिरिक विकल्पयुक्त दो टिप्पणी - ७ × २ = १४ अंक की होगी।

* * * *

UGC Course in Hindi for Choice Based Credit System

M.Phil Semester - I

Sub : Hindi

[Total Credit-4] [Total Marks - 70]

साहित्यिकवाद

प्रश्नपत्र : २

⇨ निम्नांकित साहित्यिक वादों के अध्यापन के लिए प्रत्येक वाद की परिभाषा, उदय, प्रकार एवं इतिहास की विस्तृत चर्चा करना आवश्यक है।

पाठ्य विषय

इकाई-१ :

१. आभिजात्यवाद
२. स्वच्छन्दतावाद

इकाई-२ :

३. अभिव्यंजनावाद
४. मार्क्सवाद

इकाई-३ :

५. मनोविश्लेषणवाद
६. प्रतीकवाद

इकाई-४ :

७. अस्तित्ववाद
८. प्रयोगवाद

सन्दर्भ ग्रंथ :

(१) भारतीय काव्यशास्त्री की परम्परा - डॉ. नगेन्द्र।
(२) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त - गणपतिचन्द्र गुप्त।
(३) समीक्षालोक - भगीरथ दीक्षित।
(४) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा - डॉ. नगेन्द्र।
(५) साहित्यिक निबन्ध - राजनाथ शर्मा।
(६) काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र।

अंक विभाजन

⇨ प्रश्न : १,२,३,४ (चारों प्रश्न) आन्तरिक विकल्पवाले प्रश्न होंगे।
चारों प्रश्न १४ × ४ = ५६ अंक के होंगे।

⇨ प्रश्न - ५ टिप्पणीवाला प्रश्न होगा। आन्तिरिक विकल्पयुक्त
दो टिप्पणी - ७ × २ = १४ अंक की होगी।

* * * *

UGC Course in Hindi for Choice Based Credit System

M.Phil Semester - I

Sub : Hindi

[Total Credit-4] [Total Marks - 70]

आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास, कहानी)

प्रश्नपत्र : ३

पाठ्य विषय

१. छिन्नमस्ता - प्रभाखेतान (उपन्यास)
प्रका. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

२. कहानी कलश - संपा. डॉ. अर्जुन चव्हाण (कहानी)
प्रका. अमन प्रकाशन १०४A/११८ रामबाग, कानपुर (उ. प्र.)
(कहानी-कलश में निर्देशित सात कहानियों का अध्ययन करना होगा।)

सन्दर्भ ग्रंथ :

(१) प्रभाखेतान के साहित्य में नारी विमर्श - डॉ. कामिनी तिवारी, प्रका. विद्याप्रकाशन, सी-४४६, गुजैनी, कानपु-२।

(२) समकालीन महिला लेखन - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, प्रका. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

(३) महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में नारीवादी दृष्टि, डॉ. अमर ज्योति।

(४) वर्तमान हिन्दी महिला कथालेखन और दाम्पत्य जीवन, डॉ. साधना अग्रवाल।

(५) आधुनिक हिन्दी कहानी साहित्य में काममूलक संवेदना, प्रका. चिन्तन प्रकाशन, कानपुर।

(६) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी में सामाजिक परिवर्तन, डॉ. भैरूलाल गर्ग, प्रका. चित्रलेखा प्रकाशन, इलाहाबाद-९

(७) कहानी : स्वरूप और संवेदना - राजेन्द्र यादव, प्रका. नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दरियागंज, दिल्ली।

अंक विभाजन

⇨ **संन्दर्भ व्याख्या -** दोनों पुस्तकों में से आन्तरिक विकल्पवाले दो संदर्भ होंगे। इस प्रकार कुल चारों संदर्भ दोनों पुस्तकों से होंगे।

⇨ व्याख्याएँ (विकल्पयुक्त - अ, आ) ९ × २ = १८

⇨ तीन निबन्धात्म्क प्रश्न (विकल्पयुक्त) १४ × ३ = ४२

⇨ टिप्पणी - दो (विकल्पयुक्त) ५ × २ = १०

* * * *

UGC Course in Hindi for Choice Based Credit System

M.Phil Semester - II

Sub : Hindi

[Total Credit-4] [Total Marks - 70]

नारी विमर्श एवं दलित विमर्श

प्रश्नपत्र : १

ईकाई - १ नारी विमर्श :

१. नारी विमर्श का ऐतिहासिक संदर्भ

२. समकालीनता की अवधारणा और नारी विमर्श

३. नारी चिन्तन नारीवाद और नारी मुक्ति

४. नारी विमर्श : साहित्यिक, सामाजिक और राजनीतिक परिप्रेक्ष्य

५. महिला लेखन : चिन्ता एवं चुनौतियाँ

ईकाई - २ दलित विमर्श :

१. दलित साहित्य का स्वरूप

२. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र

३. दलित साहित्य : मार्क्सवाद एवं आम्बेडकरवाद

४. दलित साहित्य स्वानुभूति बनाम सहानुभूति

५. दलित साहित्य लेखन एवं प्रवृत्तियाँ

सन्दर्भ ग्रंथ :

(१) नारी विमर्श की नयी दिशाएँ - डॉ. रेणुका मोरे, प्रका. अलका प्रकाशन, कानपुर।

(२) स्त्री सरोकार - आशारानी व्होरा, प्रका. आर्यप्रकाशन मंडल - दिल्ली - ३१

(३) समकालीन हिन्दी कहानियों में नारी के विविध रूप - डॉ. पारुकांत देसाई।

(४) कामकाजी नारी : मानवीय सम्बन्धों का विघटन - डॉ. धनराज मानधने, प्रका. अलका प्रकाशन, कानपुर।

(५) दलित साहित्य आन्दोलन - डॉ. चन्द्रकुमार वरठे, प्रका. रचना प्रकाशन, जयपुर।

(६) भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य - संपा. पुन्नीसिह, कमला प्रसाद, राजेन्द्र शर्मा, प्रका. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली-२।

(७) दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि।

(८) हिन्दी दलित साहित्य में सामाजिक - सांस्कृतिक चेतना, डॉ. जयप्रकाश कर्दम।

अंक विभाजन

⇨ प्रश्न : १,२,३,४ (चारों प्रश्न) आन्तरिक विकल्पवाले प्रश्न होंगे।
चारों प्रश्न १४ × ४ = ५६ अंक के होंगे।

⇨ प्रश्न - ५ टिप्पणीवाला प्रश्न होगा। आन्तिरिक विकल्पयुक्त
दो टिप्पणी - ७ × २ = १४ अंक की होगी।

* * * *

:: लघुशोध प्रबन्ध ::

⇨ यद्यपि छात्र को लघुशोघ प्रबन्ध (कम्युप्टर पर टाइपराइटर से) टंकित करवाकर तथा बाइन्डिग करवाकर (कम से कम १२५ पृष्ठों में) दूसरे सत्रांत के अन्त तक जमा कराना होगा, किन्तु इस लघुशोध प्रबन्ध के लिए इसे प्रथम सत्र (सेमेस्टर) में निम्नलिखित कार्यो को करना होगा।

१. प्रत्येक छात्र को अपने निर्देशक (विभाग द्वारा की गई व्यवस्था के अनुसार) के साथ चर्चा करके निर्देशक के मार्गदर्शन के मुताबिक लघुशोध प्रबन्ध का शीर्षक तय करना होगा।

२. प्रथम सेमेस्टर के अन्त तक निश्चित किये गए विषय/शीर्षक को ध्यान में रखकर प्रकरण के मुताबिक अति संक्षेप में एक रूपरेखा तैयार करके विभागाध्यक्ष के पास जमा करवाना होगा। यह रूपरेखा हस्तलिखित या टंकित रूप में जमा करवाना होगा। अतः इस रूपरेखा पर निर्देशक का हस्ताक्षर अनिवार्य है।

सूचना : इस प्रश्नपत्र की सत्रांत कसौटी नहीं होगी। लघुशोध प्रबन्ध का मूल्यांकन बाह्य एवं आन्तरिक परीक्षकों द्वारा (१५०) अंक में से किया जाएगा। इसी तरह मौखिक (वायवा) भी बाह्य एवं आन्तरिक परीक्षकों द्वारा (५०) अंक में से ली जाएगी। इस प्रकार लघुशोध प्रबन्ध का मूल्यांकन कुल २०० अंकों में से होगा।

* * * *